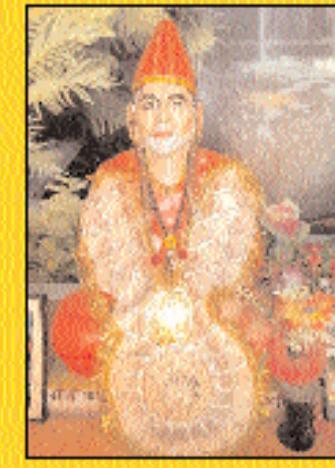


मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665



अंक 02/125

जयपुर

24 मई /2025

शनिवार

मूल्य ₹ 5 | पृष्ठ: 04

बांग्लादेश को अमित शाह ने दी नसीहत: 1971 का युद्ध न भूले बांग्ला देश

नई दिल्ली।



1965 में हुआ था बीएसएफ का गठन

बता दें कि सीमा सुरक्षा बल का गठन साल 1965 में हुआ था। 1965 में जटिल बीएसएफ पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,000 किलोमीटर से अधिक लंबी भारतीय सीमाओं की रक्षा करता है। के एक स्तरमज्जी बीएसएफ के संस्थापक प्रमुख थे।

बांग्लादेश को अमित शाह ने

समझा दिया

वहीं, इस कार्यक्रम में बीएसएफ की जवानों की सराहना करते थे गृहमंत्री अमित शाह ने पड़ोसी मुख्य बांग्लादेश को स्पष्ट रूप से समझा दिया। बीएसएफ की सराहना करते थे।

हुए अमित शाह ने कहा कि 1971 के युद्ध में बीएसएफ की ओर से दिखाई गई बहादुरी और बांग्लादेश के निर्माण में बल की ओर से किए गए योगदान को भारत

नहीं भूल सकता और न ही बांग्लादेश को इसे कभी भूलना चाहिए। गृहमंत्री शाह ने बांग्लादेश को याद दिलाते हुए कहा कि बीएसएफ ने बांग्लादेश के निर्माण में

महत्वपूर्ण श्रृंगार किया और अन्याय के खिलाफ लड़ाई में सहायता बलों के साथ कांथ से कांथ की ओर से किए गए योगदान को भारत

पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों को मारा- शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को 22 वें बीएसएफ अंतर्कारण समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बीएसएफ की जवानों के शैली की कलानी को बताया। साथ ही भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी उन्होंने बात की। गृहमंत्री शाह ने कहा कि पहलोंमात्र आतंकवादी खमते के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने इस तथ्य को प्रौर रहा उत्तराव कर दिया है कि भारत में आतंकवाद पाकिस्तान की ओर से प्रयोगित है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन प्रयासकर्ता जन्मद भूमि की दृढ़ राजनीतिक इच्छाओं से बहुत अधिक सापेक्ष खुलेपाया जानकारी और सिस्यों से प्राप्त सटीक खुलेपाया जानकारी और सिस्यों की धारक क्षमताओं को दिखाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की प्रतिक्रिया अलग थी

गृहमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की प्रतिक्रिया अलग थी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कड़े वाले क्रमीर (पोओके) में जांतकी टिकानों को निशाना बनाने का दूसरा हासिल किया तो भारत ने पाकिस्तान के अंदर 2,000 किलोमीटर तक हमला किया, जिसमें जांतकवादी शिविर नष्ट कर दिए गए। गृहमंत्री शाह ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलोंमात्र में एक चरम हमला किया, जिसमें उन्होंने चुनिदा निर्देश लोगों को चुना, उनका धर्म पूजा और महिलाओं और बच्चों सहित उनके परिवारों के समाने उनकी बेहतरीनी से हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि यह पाप पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों की ओर से किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की प्रतिक्रिया अलग थी।

